Fakeem
6r.3.
20/7/20
9.20.

B.A. III Hon
Paper VI
M.A. JOHN

ग्रामीण एवं नगरीय समाज में तुलना
(Rural Urban Comparison)

गाँव तथा नगर अध्ययन के दो अलग विषय हैं। दोनों क्षेत्रों के व्यक्तियों की स्थितियाँ भी एक दूसरे से भिन्न हैं। परन्तु अनेक कारणों से इन दोनों के बीच अन्तर स्पष्ट कर पाना भी एक कठिन कार्य है। नगर तथा गाँव की कोई सार्वभौमिक परिभाषा नहीं पाई जाती है, दोनों ही क्षेत्रों की परिवर्तनशील प्रकृति, विभिन्न नगरीय पर्यावरण तथा ग्रामीण एवं नगरीय अंशों में अन्तर होने के कारण इनके बीच अन्तर की चर्चा भी एक कठिन कार्य है। कभी कभी तो दोनों की विशेषताएँ एक दूसरे से बहुत अधिक मिल जाती हैं। MacIver तथा Page ने इसी लिये यह विचार दिया है कि "परन्तु दोनों के मध्य अन्तर इतना स्पष्ट नहीं है कि यह कहा जा सके कि कहाँ नगर समाप्त होता है और कहाँ से गाँव आरम्भ होता है।" सोरोकिन तथा जिमरमैन (Sorokin and Zimmerman) ने गाँव तथा नगर में अपने ढंग से अन्तर स्थापित करने की कोशिश की है जिसे इस प्रकार देखा जा सकता है।

(1) व्यवसाय (occupation): ग्रामों में प्रमुख व्यवसाय कृषि है और अन्य व्यवसाय भी इस से सम्बन्धित

है। अनेक समाजशास्त्रियों का मत है कि ग्राम और नगर के बीच अन्तर उत्पन्न करने वाले कारकों में व्यवसाय प्रमुख है। नगरों में अधिकांश व्यवसायों में मशीनों एवं अन्य निर्जीव वस्तुओं से कार्य करना पड़ता है। नगरों में व्यवसायों की बहुलता के कारण अत्यधिक श्रमविभाजन और विशेषीकरण पाया जाता है।

(2) वातावरण (Environment):- ग्रामीण सामाजिक जीवन पर प्राकृति का अधिक प्रभाव पाया जाता है। ग्राम वासियों का प्रकृति से प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है। परन्तु नगरीय क्षेत्रों में प्रकृति से अधिक पृथकता पायी जाती है। मनुष्य द्वारा निर्मित वातावरण प्रकृति पर भारी पड़ते हैं।

(3) समुदायों का आकार (Size of communities) ग्रामीण समुदाय छोटे आकार के होते हैं। नगरीय समुदायों का आकार बड़ा होता है। अर्थात् नगरीय और समुदाय के आकार में सकारात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।

(4) जनसंख्या का घनत्व (Density of Population) देश विशेष तथा उसी काल में नगरीय समुदाय की अपेक्षा ग्रामीण समुदाय में जनसंख्या का घनत्व कम होता है। जबकि नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व अधिक पाया जाता है।

(5) जनसंख्या की सजातीयता और विजातीयता (Homogeneity and Hetrogenity of population):-

Rural urban differences

ग्रामीण समुदायों में प्रजातीय और मानसिक लक्षणों में अधिक समानता पायी जाती है। जबकि नगरों में जनसंख्या में अधिक विभिन्नता पायी जाती है।

(6) सामाजिक विभेदीकरण और स्तरीकरण (Social differentiation and stratification) ग्रामीण ग्रामों में नगरों की अपेक्षा विभेदीकरण तथा स्तरीकरण कम पाया जाता है। जबकि विभेदीकरण तथा स्तरीकरण नगरीय सामाजिक जीवन की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(7) गतिशीलता (Mobility):- ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या की प्रादेशिक, व्यावसायात्मक और दूसरे प्रकार की गतिशीलता तुलनात्मक दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों में कम होती है। जबकि नगरीय और गतिशीलता में सकारात्मक सम्बंध पाया जाता है।

(8) सामाजिक अन्तः क्रिया की पद्धति (System of Social Interaction) प्रति मनुष्य कम संख्या में सम्पर्क, प्राथमिक सम्बंधों का महत्व। सम्बंधों में स्थायित्व तथा सरलता ग्रामीण समाज की विशेषताएँ हैं। नगरों अधिक संख्या में सम्पर्क। प्रति मनुष्य और प्रति समूह अन्तः क्रिया का अधिक विस्तृत क्षेत्र, माध्यमिक सम्बंधों की प्रबलता, अधिक

जटिलता, अनौपचारिकता, विभाजनता और सम्बंधों का औपचारिकरण नगरीय समाज की विशेषताएँ हैं। Sorokin तथा Zimmerman द्वारा प्रस्तुत अंगों के आधार पर दोनों समाजों में कुछ और विशेषताएँ होती हैं जो इस प्रकार हैं।

(1) परिवार : गाँव में संयुक्त परिवारों की संख्या अधिक तथा नगरों में अधिक एकाकी परिवार पाये जाते हैं

(2) स्त्रियों की स्थिति : ग्रामीण समाज में स्त्रियाँ शोषित तथा नगरों में वे पुरुष की सहभागिनी और मित्र हैं।

(3) विवाह : ग्रामीण समाज में विवाह का स्वरूप परम्परागत तथा आदिम है। नगरीय समाज में विवाह के प्रतिमान और संस्कार दोनों में परिवर्तन हुए हैं।

(4) पड़ोसियों से सम्बंध : ग्रामीण समाज में सम्बंध काफी अच्छे, सुदृढ़ और आत्मीय होते हैं। नगरों में पड़ोसी भावना नाम की कोई चीज नहीं होती है।

(5) सामुदायिक भावना : ग्रामीण समाज में सामुदायिक भावना अधिक होती है। अपनेपन की भावना पायी जाती है जबकि नगरीय समाज में कम भावना होती है।

(6) संस्कृति : ग्रामीण समाजों में आध्यात्मिक तथा नगरीय समाजों में भौतिक संस्कृति की विशेषताएँ अधिक पायी जाती हैं।

(7) आर्थिक जीवन : ग्रामीण समाज में कृषि तथा परम्परागत व्यवसाय पाये जाते हैं। जबकि

जाति के आधार पर विभेदीकरण पाया जाता है। जबकि नगरीय समाज में शिक्षा और योग्यता विभेदीकरण का आधार होता है। रहन सहन के आधार पर भी ग्रामीण तथा नगरीय समाज में अन्तर पाया जाता है।

⑧ सामाजिक सम्बन्ध! ग्रामीण समुदाय में व्यक्तिक सम्बंध, परम्परागत तथा जातिगत सम्बंध पाये जाते हैं। समाज का ढाँचा प्राथमिक समूहों पर आधारित होता है जबकि नगरों में इसके विपरीत विशेषताएं पायी जाती हैं।

इसके अतिरिक्त सामाजिक अन्तःक्रिया, सामाजिक दृष्टिकोण, सामाजिक नियन्त्रण, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक स्थायित्व, राजनीतिक प्रतिमान, जनसंख्या के प्रतिमान, सामाजिक आर्थिक समस्याओं तथा सामाजिक विघटन के आधार पर भी ग्रामीण तथा नगरीय समाजों में स्पष्ट सम्बंधों की चर्चा की जा सकती है।

Scanned with CamScanner